



حرف و سطر ۵۰۰

سورہ ۱ | زُورِ قُرْآنِ کَرِیْمِ اَلْحَمْدُ لِلّٰہِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۞ اِنَّا نَسْتَعِیْذُ بِکَ اَللّٰہُمَّ اِنَّا نَسْتَعِیْذُ بِکَ ۞ 05 سُوْرَةُ قُرْآنِ کَرِیْمِ 9 سُوْرَةُ قُرْآنِ کَرِیْمِ ۞ اِنَّا نَسْتَعِیْذُ بِکَ اَللّٰہُمَّ اِنَّا نَسْتَعِیْذُ بِکَ ۞

Shank



[illegible][illegible]

Shub



[Handwritten signature]

[illegible][illegible]

۞ نَسْتَعِزُّكَ رَبُّنَا وَنَسْتَغِيثُكَ رَبُّنَا وَنَعُوْذُ بِكَ مِنْ عَذَابِكَ اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِیْنَ
 نَسْتَغِيْثُكَ رَبُّنَا وَنَعُوْذُ بِكَ مِنْ عَذَابِكَ اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِیْنَ

وَقَدْ تَرَكُوا: نَافِثٌ سَوِيٌّ مَرِيضٌ ذَرِيَّةٌ قَرِيبٌ، نَافِثٌ سَوِيٌّ مَرِيضٌ مَرِيضٌ مَرِيضٌ ذَرِيَّةٌ قَرِيبٌ، نَافِثٌ سَوِيٌّ مَرِيضٌ مَرِيضٌ مَرِيضٌ ذَرِيَّةٌ قَرِيبٌ.

003 004 005
 006 007 008
 009 010 011
 012 013 014
 015 016 017
 018 019 020
 021 022 023
 024 025 026
 027 028 029
 030 031 032
 033 034 035
 036 037 038
 039 040 041
 042 043 044
 045 046 047
 048 049 050
 051 052 053
 054 055 056
 057 058 059
 060 061 062
 063 064 065
 066 067 068
 069 070 071
 072 073 074
 075 076 077
 078 079 080
 081 082 083
 084 085 086
 087 088 089
 090 091 092
 093 094 095
 096 097 098
 099 100 101
 102 103 104
 105 106 107
 108 109 110
 111 112 113
 114 115 116
 117 118 119
 120 121 122
 123 124 125
 126 127 128
 129 130 131
 132 133 134
 135 136 137
 138 139 140
 141 142 143
 144 145 146
 147 148 149
 150 151 152
 153 154 155
 156 157 158
 159 160 161
 162 163 164
 165 166 167
 168 169 170
 171 172 173
 174 175 176
 177 178 179
 180 181 182
 183 184 185
 186 187 188
 189 190 191
 192 193 194
 195 196 197
 198 199 200
 201 202 203
 204 205 206
 207 208 209
 210 211 212
 213 214 215
 216 217 218
 219 220 221
 222 223 224
 225 226 227
 228 229 230
 231 232 233
 234 235 236
 237 238 239
 240 241 242
 243 244 245
 246 247 248
 249 250 251
 252 253 254
 255 256 257
 258 259 260
 261 262 263
 264 265 266
 267 268 269
 270 271 272
 273 274 275
 276 277 278
 279 280 281
 282 283 284
 285 286 287
 288 289 290
 291 292 293
 294 295 296
 297 298 299
 300 301 302
 303 304 305
 306 307 308
 309 310 311
 312 313 314
 315 316 317
 318 319 320
 321 322 323
 324 325 326
 327 328 329
 330 331 332
 333 334 335
 336 337 338
 339 340 341
 342 343 344
 345 346 347
 348 349 350
 351 352 353
 354 355 356
 357 358 359
 360 361 362
 363 364 365
 366 367 368
 369 370 371
 372 373 374
 375 376 377
 378 379 380
 381 382 383
 384 385 386
 387 388 389
 390 391 392
 393 394 395
 396 397 398
 399 400 401
 402 403 404
 405 406 407
 408 409 410
 411 412 413
 414 415 416
 417 418 419
 420 421 422
 423 424 425
 426 427 428
 429 430 431
 432 433 434
 435 436 437
 438 439 440
 441 442 443
 444 445 446
 447 448 449
 450 451 452
 453 454 455
 456 457 458
 459 460 461
 462 463 464
 465 466 467
 468 469 470
 471 472 473
 474 475 476
 477 478 479
 480 481 482
 483 484 485
 486 487 488
 489 490 491
 492 493 494
 495 496 497
 498 499 500
 501 502 503
 504 505 506
 507 508 509
 510 511 512
 513 514 515
 516 517 518
 519 520 521
 522 523 524
 525 526 527
 528 529 530
 531 532 533
 534 535 536
 537 538 539
 540 541 542
 543 544 545
 546 547 548
 549 550 551
 552 553 554
 555 556 557
 558 559 560
 561 562 563
 564 565 566
 567 568 569
 570 571 572
 573 574 575
 576 577 578
 579 580 581
 582 583 584
 585 586 587
 588 589 590
 591 592 593
 594 595 596
 597 598 599
 600 601 602
 603 604 605
 606 607 608
 609 610 611
 612 613 614
 615 616 617
 618 619 620
 621 622 623
 624 625 626
 627 628 629
 630 631 632
 633 634 635
 636 637 638
 639 640 641
 642 643 644
 645 646 647
 648 649 650
 651 652 653
 654 655 656
 657 658 659
 660 661 662
 663 664 665
 666 667 668
 669 670 671
 672 673 674
 675 676 677
 678 679 680
 681 682 683
 684 685 686
 687 688 689
 690 691 692
 693 694 695
 696 697 698
 699 700 701
 702 703 704
 705 706 707
 708 709 710
 711 712 713
 714 715 716
 717 718 719
 720 721 722
 723 724 725
 726 727 728
 729 730 731
 732 733 734
 735 736 737
 738 739 740
 741 742 743
 744 745 746
 747 748 749
 750 751 752
 753 754 755
 756 757 758
 759 760 761
 762 763 764
 765 766 767
 768 769 770

تَحْوِیُّ سِرِّ سِرِّ

[illegible]

